गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

उत्तराखण्ड में संरक्षित पुष्प उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु पंतनगर विष्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

पंतनगर, 23 जून 2025। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर एवं एकीकृत बागवानी मिशन द्वारा संयुक्त रूप से वित्तपोषित परियोजना 'उत्तराखण्ड में पुष्पीय फसलों की संरक्षित खेती तकनीकों का लोकप्रियकरण' के अंतर्गत उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में संरक्षित पुष्प उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु दो महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

पहला कार्यक्रम 20 जून 2025 को लोहाघाट स्थित ब्लॉक सभागार में आयोजित हुआ, जिसकी शुरुआत परियोजना अधिकारी डा. वी.के. राव द्वारा की गई। उन्होंने संरक्षित संरचनाओं में गुलाब, जरबेरा, लिलियम आदि पुष्पों की उन्नत खेती तकनीकों की जानकारी दी। डा. अजीत कुमार कपूर ने गुलदाउदी, ग्लैडियोलस, रजनीगंधा जैसे पुष्पों की नर्सरी उत्पादन तकनीकों पर जानकारी दी। डा. के.पी. सिंह, विभागाध्यक्ष, पादप रोग विज्ञान विभाग, ने पुष्प फसलों में रोग एवं कीट नियंत्रण के वैज्ञानिक उपाय प्रस्तुत किए। जैविक नियंत्रण हेतु ट्राइकोडर्मा, ट्यूबकोनाजोल, स्यूडोमोनास आदि के प्रयोग की संस्तुति की गई। डा. रजीनी पंत, उद्यान विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केन्द्र ने पॉलीहाउस में बेमौसमी सब्जियों, स्ट्रॉबेरी व कीवी उत्पादन की संभावनाओं पर चर्चा की, वहीं श्री आशीष खर्खवाल, ए.डी.ओ. उद्यान विभाग ने सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

दूसरा प्रशिक्षण 21 जून 2025 को पिथौरागढ़ जनपद के डूंगरी गांव (कनालीछीना विकासखंड) में ग्राम प्रधान श्री महेश राम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस अवसर पर भी डा. वी.के. राव, डा. अजीत कपूर और डा. के.पी. सिंह ने संरक्षित पुष्प उत्पादन की तकनीकों, नर्सरी प्रबंधन, रोगों की रोकथाम और कीट नियंत्रण उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। डा. कपूर ने गेंदा, गुलाब, जरबेरा जैसे खुले और संरक्षित वातावरण में उगने वाले पुष्पों की तुलना करते हुए उत्पादकता बढ़ाने के सुझाव दिए।

दोनों कार्यक्रमों में क्षेत्र के 30–30 पुष्प उत्पादकों और कृषकों ने प्रतिभाग किया तथा वैज्ञानिकों ने उनके प्रश्नों का किया। प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन और निदेशक, शोध को ऐसे उपयोगी प्रशिक्षणों के आयोजन हेतु धन्यवाद देते हुए भविष्य में निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए जाने की मांग की।

प्रशिक्षणों में विशेषज्ञों के अतिरिक्त विषय वस्तु विशेषज्ञ, डा. अभिषेक बहुगुणा, कृषि विज्ञान केन्द्र, उद्यान निरीक्षक श्री अश्विनी दयानन्द व उद्यान सहायक श्री जितेन्द्र जोशी एवं श्री सुरेश चन्द्र, दीवान सिंह, हेमा बिष्ट, लीलावती, कलावती आदि किसान और अन्य उद्यान विभाग के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।